एल्बिनो गलिहरी

चर्चा में क्यों?

राजस्थान के टोंक ज़िले में पहली बार एक दुर्लभ **एल्बिनो "सनफ्लॉवर" गिलहरी** देखी गई है, जो वन्यजीव प्रेमियों और शोधकर्त्ताओं के लिये एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण दृश्य है।

- हालाँकि **एल्बिनो गिलहरियाँ** पहले भी बांसवाड़ा और डूंगरपुर ज़िलों में देखी जा चुकी हैं, फिर भी इस प्रकार की घटना अभी भी अत्यंत दुर्लभ है।

मुख्य बिंदु

एल्बिनो गिलहरी के बारे में:

- **रंग-रूप:**
  - एल्बिनो गिलहरियों की पहचान उनके **शुद्ध सफेद फर और गुलाबी या लाल आँखों से होती है,** जो **मेलेनिन** की पूर्ण कमी के कारण होती है, जो सामान्य रंग के लिये ज़िम्मेदार वर्णक है।
  - उनकी आँखें अंतर्निहित रक्त वाहिकाओं की दृश्यता के कारण गुलाबी या लाल दिखाई देती हैं।
- **आनुवंशिक कारण:**

- गिलहरियों में ऐल्बनिज़िम एक **अप्रभावी** [आनुवंशिक उत्परिवर्तन]() के कारण होता है, जो मेलेनिन के उत्पादन को रोकता है।
- किसी संतान के ऐल्बिनो होने के लिये माता-पिता दोनों में जीन होना चाहिये।
- उत्परिवर्तन आम तौर पर [एंजाइम]() **टायरोसिनेस को प्रभावित करता है,** जो मेलेनिन संश्लेषण के लिये महत्त्वपूर्ण है।
- विशेषज्ञ कहते हैं कि इस बात की कोई निश्चितता नहीं है कि एल्बिनो गिलहरी की संतानों को वही एल्बिनो गुण विरासत में मिलेंगे, क्योंकि ये गुण पूर्णतः **आनुवंशिक कारकों द्वारा नियंत्रित होते हैं।**
- इस क्षेत्र में गिलहरियाँ आमतौर पर दो से चार बच्चों को जन्म देती हैं।
- गिलहरियों की संतानें आमतौर पर **स्लेटी-ग्रे रंग** की होती हैं, जो दुर्लभ एल्बिनो प्रजाति के विपरीत होती है।

- **दुर्लभता:**
  - एल्बिनो गिलहरियाँ **अत्यंत दुर्लभ** होती हैं। अनुमान है कि लगभग **1,00,000 में से 1 गिलहरी** ही एल्बिनो रूप में जन्म लेती है, हालाँकि कुछ क्षेत्रों में इनका स्थानीय जमाव देखा गया है।
  - सफेद गिलहरियों का केवल एक छोटा प्रतिशत ही वास्तविक एल्बिनो होता है।
- **कालोनियाँ और जनसंख्या:**
  - संयुक्त राज्य अमेरिका में गिलहरियों की बड़ी आबादी है, जिसमें कई स्थानों पर सफेद या एल्बिनो गिलहरियों की **कालोनियाँ** पाई जाती हैं।
  - **भारत** में गिलहरियाँ व्यापक रूप से पाई जाती हैं, जिनमें **इंडियन पाम गिलहरी** और **होएरी-बेली गिलहरी** जैसी कई [स्थानीय प्रजातियाँ]() शामिल हैं।
    - हालाँकि एल्बिनो गिलहरियाँ अत्यंत दुर्लभ हैं, फिर भी **असम, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र** जैसे राज्यों में इनके देखे जाने की घटनाएँ दर्ज की गई हैं।
- **जीवित रहने की चुनौतियाँ:**
  - एल्बिनो गिलहरियाँ जंगल में जीवित रहने में अधिक कठिनाइयों का सामना करती हैं क्योंकि इनका **छलावरण (camouflage) नहीं होता**, जिससे वे **शिकारियों के लिये अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं।**
  - इनमें **सूरज की किरणों से झुलसने और** [त्वचा कैंसर]() का जोखिम भी अधिक होता है क्योंकि इनमें **सुरक्षात्मक वर्णक** नहीं होता।
- **व्यवहार और अनुकूलन:**
- अपनी विशिष्ट आकृति के बावजूद, एल्बिनो **गिलहरियों का व्यवहार अन्य सामान्य गिलहरियों जैसा ही होता है।** वे भोजन एकत्र करने, पेड़ों पर चढ़ने तथा अन्य गिलहरियों से संवाद करने जैसी गतिविधियाँ करती हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/albino-squirrel